अंक-57 कानपुर, गुरूवार 25 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पौधा किस्म विकास हेतु हुआ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये ।चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन श्री ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है ।डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे ।उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

राहुल के संसदीय क्षेत्र में प्रचार करने पहुंची... 12 | कांग्रेस की मंशा एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 191
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 25 अप्रैल, 2024

संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर किये हस्ताक्षर

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद के वॉइस अध्यक्ष ऋषि अरोड़ा ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए बुधवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा कि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। जिसकी बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण मे विशेषज्ञता है। उन्होंने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है व दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे।उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ.पी.के. सिंह उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 25/04/2024

नई प्रजातियां विकसित करने को हुआ एमओयू

सीएसए का हैदराबाद की कंपनी के साथ हुए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास के लिए आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन ऋषि अरोड़ा ने आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 25 अप्रैल • 2024

पौधे के विकास के लिये सीड्स कंपनी से किया समझौता

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदरावाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदरावाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन एमओयू को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के वाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सवसे आगे रहा है। जवकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी वीज कंपनी है। वेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, वीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है। डॉ. सिंह ने वताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के वीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश कर किसानों की आय को वढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने वताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और वढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त वनाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह उपस्थित रहे।

40.2°
अधिकतम
23.0°
न्यूनतम
www.twitter.com/
worldkhabarexpress
www.facebook.com/
worldkhabarexpress
www.youtube.com/
worldkhabarexpress
WORLD
खबरें एक्सप्रेस

पौधा किस्म के विकास हेतु समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन श्री ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है।

डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष : 06 अंक : 224 देहरादून, गुरुवार, 25 अप्रैल 2024 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

पौधा किस्म विकास हेतु हुआ समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है।

डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे।उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभ प्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

पौधा किस्म विकास के लिए एमओयू करार

बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में विशेषज्ञता रखती है कंपनी

कानपुर, 24 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन ऋषि अरोड़ा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विवि के कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है। डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे।उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

समझौता पत्र दिखाते वैज्ञानिक।

पौधा किस्म विकास हेतु सीएसए और नुजिवीडू सीड्स के बीच हुआ एमओयू

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयऔर नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन एमओयू को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मे को विकसित करन, बीज उत्पादन प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है। डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि जलवायु परिस्थितियो के अनुरूप नई किस्मों और संकरो को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

सी एस ए ने पौधा किस्म विकास के लिए एम ओ यू साइन किया

डीटीएनएन | कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन श्री ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे।उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने हाथ मिलाया

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, गुरूवार 25 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/4722

की लास्ट डेट 30 अप्रैल है और कर भी लिया है। कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्मृति शर्मा ने किया।

पौधा किस्म विकास हेतु हुआ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

कानपुर, 24 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने पौधों की किस्मों और संकर किस्मों के संयुक्त विकास की दिशा में एक सहयोगात्मक यात्रा शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप दिया है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन श्री ऋषि अरोड़ा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है। बेहतर पौधों की किस्मों को विकसित करने, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण में इसकी विशेषज्ञता है। डॉ सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य प्रदेश और देश भर के समान क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों और संकरों को पेश करके किसानों की आय को बढ़ाना है। दोनों पक्ष टिकाऊ कृषि के लिए नवीन समाधान प्रदान करने हेतु अनुसंधान और विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि यह सहयोग टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और बढ़ी हुई उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए नवीन समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह उपस्थित रहे।

अमर उजाला 25/04/2024

पौधों की बेहतर प्रजाति के लिए अच्छे बीज तैयार करेगा सीएसए

सीएसए के कुलपति ने हैदराबाद की कंपनी के साथ साइन किया एमओयू। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद के बीच हुआ समझौता

कानपुर। पौधों की बेहतर प्रजाति विकसित करने व बीज उत्पादन के उद्देश्य से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हैदराबाद ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं नुजिवीडू सीड्स के वाइस चेयरमैन ऋषि अरोड़ा ने संयुक्त पौधा किस्म विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति ने कहा कि सीएसए अपनी स्थापना के बाद से कृषि अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों में सबसे आगे रहा है, जबकि नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड देश की एक अग्रणी बीज कंपनी है।

डॉ. सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड के बीच सहयोग का उद्देश्य कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप नई किस्मों के बीज को विकसित कर किसानों की आय को बढ़ाना है। यहां पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह उपस्थित रहे।